भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3032
09.08.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

मंगलौर में प्लास्टिक पार्क

3032. कैप्टन बृजेश चौटा:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कर्नाटक के मंगलौर में प्लास्टिक पार्क के निर्माण कार्य की स्थिति क्या है;

(ख) क्या उक्त परियोजना के पूरा होने में कोई विलंब हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या परियोजना की आरंभिक लागत 62 करोड़ रुपए से कहीं अधिक हो गई है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार इस अंतर को किस प्रकार पूरा करने की योजना बना रही है;

(ङ) क्या सरकार की कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ क्षेत्र में कोई नया संयंत्र स्थापित करने की योजना है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग ने जनवरी, 2022 में कर्नाटक के मंगलौर के गंजीमुत्त में प्लास्टिक पार्क की स्थापना को मंजूरी दी थी। इस परियोजना की कुल लागत 62.78 करोड़ रुपए की है, जिसमें भारत सरकार का हिस्सा 31.38 करोड़ रुपए का है। योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार, परियोजना को अंतिम मंजूरी की तारीख से पांच साल की अवधि में पूरा किया जाना है। कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, परियोजना का 55 प्रतिशत काम अब तक पूरा हो चुका है।

(ख): केआईएडीबी ने सूचित किया है कि 9.33 एकड़ भूमि से संबंधित मुकदमेबाजी के कारण परियोजना संबंधी कुछ कार्यों के पूरा होने में देरी हुई है। हालाँकि, परियोजना स्वीकृत समय-सीमा के भीतर है।

(ग) और (घ): इस परियोजना की लागत में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

(ङ) और (च): वर्तमान में, कोई नया प्लास्टिक पार्क स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

*****